राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत सेक्स सॉर्टेड सीमेन सुविधा

स्रोत: पी. आई. बी.

प्रधानमंत्री ने **राष्ट्रीय गोकुल मिशन** के अंतर्गत बिहार के पूर्णिया में **सेक्स सॉर्टेड सीमेन सुविधा** का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में डेयरी क्षेत्र में सुधार लाना है।

- यह सुविधा स्वदेशी रूप से विकसित **'गौसॉर्ट' प्रौद्योगिकी** का उपयोग करके **प्रतिवर्ष 5 लाख खुराक सेक्स-सॉर्टेड सीमेन** का उत्पादन करेगी।
- **सेक्स सॉर्टेड सीमेन** का उद्देश्य **गाय की बछिया के जन्म की संभावना** को बढ़ाना, आर्थिक बोझ को कम करके डेयरी किसानों की मदद करना और आय में वृद्धि करना है, विशेष रूप से छोटे, सीमांत और भूमिहीन डेयरी किसानों को लाभ पहुँचाना है।
    - सीमेन सेक्स सॉर्टिंग एक ऐसी तकनीक है, जो लगभग 90 प्रतिशत सटीकता के साथ गाय की बछिया के जन्म की संभावना को बढ़ाती है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

- **परिचय:** इसे वर्ष 2014 से स्वदेशी गोजातीय नस्लों के **विकास और संरक्षण के लिये लागू** किया गया है। यह योजना **वर्ष 2021 से 2026 तक एकीकृत योजना राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना** के तहत भी जारी रहेगी।
- **कार्यान्वयन एजेंसी: पशुपालन और डेयरी विभाग** (मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय)।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य गोजातीय उत्पादकता और दूध उत्पादन को स्थायी रूप से बढ़ाना, उच्च गुणवत्ता वाले प्रजनन को बढ़ावा देना, **कृत्रिम गर्भाधान (Artificial Insemination- AI)** कवरेज का विस्तार करना तथा स्वदेशी गायों और भैंसों की नस्लों का वैज्ञानिक रूप से संरक्षण और संवर्द्धन करना है।
- **उपलब्धियाँ:**
    - **दूध उत्पादन: 146.31 मीट्रिक टन (2014-15) से बढ़कर 239.30 मीट्रिक टन (2023-24) (10 वर्षों में 63.55% की वृद्धि)।**
    - **कृत्रिम गर्भाधान:** 9.16 करोड़ पशुओं को शामिल किया गया, 14.12 करोड़ कृत्रिम गर्भाधान किये गए, 5.54 करोड़ किसान लाभान्वित हुए।

और पढ़ें: राष्ट्रीय गोकुल मिशन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sex-sorted-semen-facility-under-rashtriya-gokul-mission